

# मौसम ने ली करवट, तेज हवा के साथ बारिश से ठंड ने दी दस्तक

पेड़ गिरे, राजधानी समेत उत्तराखंड में आम जनजीवन हुआ प्रभावित

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 16 अक्टूबर। सोमवार को सप्ताह के पहले दिन मौसम ने करवट ली तो तेज हवाओं के साथ बारिश से ठंड ने दस्तक दे दी। वहीं आम जनजीवन प्रभावित हो गया। बारिश के साथ तेज हवाओं से कई जगह से पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। डालनवाड़ा बलबीर रोड स्थित कुछ आवासों के सामने बारिश और तेज हवा के कारण पेड़ टूट गए। जिससे इंटरनेट के खंबे भी गिर गए, इंटरनेट व्यवस्था ठप हो गई। हालांकि शुरुआत में किसी के जखमी होने या हताहत होने की सूचना नहीं मिली। वहीं देहरादून समेत उत्तराखंड में बिजली कड़कने के साथ कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। जबकि सड़कों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं। बारिश और तेज हवाओं के चलते राजधानी समेत उत्तराखंड का तापमान में कमी आई। बाहरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण ठंड ने दस्तक दे दी है। देहरादून - रुड़की रोड पर गाड़ियों के ऊपर पेड़ गिरने की सूचना मिली है।

उधमसिंह नगर और हरिद्वार को छोड़ कल सभी जिलों में येलो अलर्ट जारी  
कल 17 अक्टूबर को भी उधमसिंह नगर और हरिद्वार जिले को छोड़ अन्य सभी जिलों में



भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम के बदले मिजाज ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। हरिद्वार में तेज तूफान से धूल मिट्टी, कूड़ा तेज शहर के रोड और गलियों में पसर गया। तेज आंधी के चलते कई जगह पेड़ की शाखाएं टूट कर गिर गई हैं। उत्तरकाशी में

बादल छाए हुए हैं साथ ही ठंडी हवाएं चल रही हैं। वहीं विकासनगर में मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग की ओर से आज सोमवार को बारिश होने के आसार बताए गए थे। केंद्र ने पर्वतीय जिलों में बारिश का ऑरेंज और मैदानी इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया है।



## चार धाम यात्रा : 14 नवंबर को गंगोत्री 15 को यमुनोत्री धाम के कपाट होंगे बंद



## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 14 नवंबर को बंद हो जाएंगे। सुबह 11:45 बजे अन्नकूट के बाद इन्हें बंद कर दिया जाएगा। इसी तरह यमुनोत्री के कपाट के भैया दूज के बाद 15 नवंबर को बंद होंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने बताया कि बदरीनाथ के कपाट बंद करने का फैसला दशहरे यानी 24 अक्टूबर के बाद लिया जाएगा। एक धार्मिक आयोजन कर मंदिर के कपाट बंद होने की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि, इस साल अप्रैल में चार धाम यात्रा शुरू हुई थी। इस साल बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री

उत्तराखंड पहुंचे हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री को अक्षय तृतीया पर्व पर यानी 22 अप्रैल को खोले गए थे।

जबकि, रूद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुले थे। चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को खुले थे। हालांकि, इस दौरान देश में गर्मी थी, लेकिन यहां रुक-रुक कर बारिश और बर्फबारी हो रही थी। इस वजह से तीर्थयात्रियों को परेशानी आई। तीर्थयात्रियों ने चार धाम यात्रा के प्रवेश द्वार ऋषिकेश पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। यहां मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अन्य

राज्यों से तीर्थ यात्री ट्रांजिट कैम्प आए और आवेदन दिए। बता दें, ग्याहरवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ 25 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर खोले गए। केदारनाथ में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई। रावल भीमाशंकर लिंग तथा पुजारी शिवलिंग एवं धर्माचार्यों ने ये पूजा अर्चना की। कपाट खुलते समय सेना के बैंड, भजन कीर्तन और जय श्री केदार के उदघोष से केदारनाथ धाम गूंज उठा था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई थी।

## उत्तराखंड : बदलते मौसम ने लोगों को कराया ठंड का अहसास



## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 अक्टूबर : राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम के बदले मिजाज ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। हरिद्वार में तेज तूफान से धूल मिट्टी, कूड़ा तेज शहर के रोड और गलियों में पसर गया। तेज आंधी के चलते कई जगह पेड़ की शाखाएं टूट कर गिर गई हैं।

उत्तरकाशी में बीते दिन बादल छाए हुए थे साथ ही ठंडी हवाएं चल रही थी। वहीं सोमवार को विकासनगर में मूसलाधार

बारिश हुई। मौसम विभाग ने पर्वतीय जिलों में बारिश का ऑरेंज और मैदानी इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया है। सभी पर्वतीय जिलों में कहीं-कहीं बिजली चमकने और गर्जन के साथ बारिश के आसार हैं। जबकि मैदानी जिलों में भी कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना जताई थी। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार 17 अक्टूबर को भी उधमसिंह नगर और हरिद्वार जिले को छोड़ अन्य सभी जिलों में भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि 18 अक्टूबर से प्रदेशभर का मौसम शुष्क रहेगा।



# मिलिए, भारत के सबसे बड़े ज्वेलर से, रोचक है सफरनामा



**भारत के सबसे  
अमीर ज्वेलर में से  
एक है ये शख्स,  
फैमिली बिजनेस के  
लिए छोड़ दिया था  
स्कूल**

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, क्या आप जानते हैं भारत का सबसे बड़ा ज्वेलर कौन है? जिसने अपने बिजनेस के लिए स्कूल तक छोड़ दिया था और आज 4.4 बिलियन डॉलर यानी 36,520 करोड़ रुपए का मालिक बन चुका है। साथ में फोर्ब्स की 100 सबसे अमीर लिस्ट में 50 नंबर पर है नाम है जॉय अलुक्कास। जॉय अलुक्कास भारत के सबसे बड़े ज्वेलर हैं। जॉय अलुक्कास का वर्गीस अलुक्कास के बेटे हैं, जिन्होंने साल 1950 में अलुक्कास ज्वेलरी की शुरुआत केरल में की थी।

फैमिली बिजनेस के लिए छोड़ दिया था स्कूल

अपने परिवार के सपने को आगे बढ़ाने के लिए जॉय ने साल 1987 में स्कूल छोड़ दिया था, जिससे वो ज्वेलरी का एक स्टोर अबू धाबी में शुरू कर सके। आज फोर्ब्स की 100 सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में 50वें नंबर पर रखा है।

अबू धाबी में खोला अपना ब्रांड

जय 1987 में अबू धाबी गए, जहां उन्होंने अपना पहला ब्रांड जॉय अलुक्कास शुरू किया। आज उसके 100 आउटलेट इंडिया के साथ साथ दूसरे देशों में फैले हुए हैं। इसके अलावा 9000 एम्प्लॉई इस ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं इस ग्रुप ने चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा गोल्ड ज्वेलरी रिटेल आउटलेट खोला है।

ऐसा है टर्नओवर और प्रॉफिट का हाल मीडिया रिपोर्ट्स की बात करें तो फाइनेंशियल ईयर 2023 में जॉय अलुक्कास का टर्नओवर 14513 करोड़ रहा। वहीं नेट प्रॉफिट 899 करोड़ था। ये सभी भारत के आंकड़े हैं।

फोर्ब्स की लिस्ट में मुकेश अंबानी सबसे आगे

फोर्ब्स की लिस्ट की बात करें तो मुकेश अंबानी 92 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ नंबर एक ही पोजीशन पर हैं। वहीं इसके बाद गौतम अडानी 68 बिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। हालांकि पिछले साल गौतम अडानी नंबर एक थे।

## रात में जागकर नौकरी करते हैं तो हो जाएं सावधान !

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों की मानें तो सभी रात में पूरी नींद लेने की सलाह देते हैं, लेकिन कुछ नौकरियों ऐसी हैं जहां नाइट शिफ्ट होती है। आज कई प्राइवेट और सरकारी नौकरियों में लाखों लोग नाइट शिफ्ट में काम करते हैं। ऐसे में उन्हें कई बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि रात में सोने और दिन में काम करने वाले लोगों के मुकाबले रात में काम करने वाले लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम काफी ज्यादा बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न अध्ययनों और शोधों से संकेत मिले हैं कि बॉडी क्लॉक के खिलाफ काम करने से वजन बढ़ना, मधुमेह, कैंसर, अवसाद और खराब हृदय स्वास्थ्य हो सकता है।

‘कब’ खाना चाहिए, ये सबसे जरूरी

न्यूज़ साइट विओन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नए शोध से आप ‘कब’ खाना खाते हैं और इसका आपके स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका पता चला है। यह निष्कर्ष कामकाजी लोगों पर एक अध्ययन के बाद सामने आया है, जिसमें सुझाव दिया गया था कि सोने-जागने के चक्र और दिन-रात के

संकेत एक समान नहीं होते हैं, तो भूख लगने के व्यवहार में बदलाव देखा जा सकता है।

प्रयोग कैसे किया गया?

यूनाइटेड किंगडम में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के एक समूह ने सोने-जागने के चक्र से जुड़े हार्मोन और चूहों की रोजाना खाने की आदतों के बीच संबंध पर शोध किया। उन्होंने पाया कि सर्कैडियन लय (शारीरिक, मानसिक और व्यवहारिक परिवर्तन जो 24 घंटे के चक्र के बाद होते हैं) में रुकावट का चूहों के खाने के व्यवहार पर गहरा प्रभाव पड़ा। चूहों की प्राकृतिक शारीरिक गतिविधियों को बाधित करने के लिए शोधकर्ताओं ने चूहों में उजाले और अंधेरे में लक्षणों पर अध्ययन किया। इसी प्रकार देखा कि कामकाजी लोगों में कॉर्टिकोस्टेरॉन का स्तर जागने से पहले काफी बढ़ जाता है और पूरे दिन धीरे-धीरे कम होता जाता है।

प्रकृति के साथ चलना फायदेमंद

उधर देखा गया है कि अबाधित लय (प्राकृतिक चक्र) वाले चूहों में भोजन लेने की मात्रा में काफी सुधार होता है। इसके साथ ही वे किसी भी प्रकार के संक्रमण से भी बचे रहते हैं। वे अपने दैनिक भोजन का लगभग आधा हिस्सा उस समय खाते हैं जब वे आम तौर पर



आराम कर रहे होते हैं। इसके अतिरिक्त अध्ययन के अनुसार भूख को दबाने वाले जीन में कमी के कारण चूहों के दिन के निष्क्रिय

चरण के दौरान खाने की इच्छा काफी बढ़ गई। ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के न्यूरोसाइंटिस्ट और अध्ययन लेखक स्टैफोर्ड लाइटमैन ने

समझाया कि चक्र के परिणामस्वरूप उस अवधि में अच्छी भूख लगती है जब जानवर सामान्य रूप से सोते हैं।

## ‘ट्रैवल नाउ, पे लेटर’ पहले समझ लें फायदे और नुकसान

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, एक समय ऐसा

भी था, जब कहीं घूमने जाने के लिए कई बार सोचना पड़ता था और पैसे की बचत करने के

बाद ही कहीं घूमने का प्लान बन पाता था, लेकिन आज के इस मार्डन जमाने में कहीं घूमने



**‘ट्रैवल नाउ,  
पे लेटर’ स्कीम**

की इच्छा तुरन्त पूरी न हो...ऐसा बहुत ही कम देखने को मिलता है। अब वे दिन गए जब ट्रैवल करने के लिए बचत करने की जरूरत होती थी। जैसे-जैसे ट्रैवल करने की मांग बढ़ती जा रही है, ट्रैवल एजेंसी अपनी सुविधाएं को और भी अधिक बढ़ा रही हैं। जिसकी मदद से ट्रैवल करने में आने वाली दिक्कतों से बचा जाता है, जहां ट्रैवल एजेंसी ने एक प्लान बनाया है ‘ट्रैवल नाउ पे लेटर’ जिसके तहत ट्रैवल करने के बाद पेमेंट कर सकते हैं, हालांकि अभी तक यह सुविधा सिर्फ सामानों की खरीदी करने पर ही था लेकिन अब बाय नाउ पे लेटर या क्रेडिट कार्ड का ट्रैवल वर्जन आ गया है। इसमें आपको पहले पैसे देने की जरूरत नहीं होती है। यह एक तरह का लोन है। जिसे कई बैंक और फिनटेक कंपनियां घूमने के लिए TNPL स्कीम की सुविधा के जरिए दे रही हैं।

ट्रैवल नाउ पे लेटर स्कीम की जानकारी ‘ट्रैवल नाउ पे लेटर’ की सुविधा डिजिटल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से दी जा रही है, जो ट्रैवल एग्रीगेटर के साथ बैंक और गैर-बैंकिंग कंपनी (एनबीएफसी) के द्वारा शुरू की गई है, जहां इस लोन के जरिए वार्षिक ब्याज दर 13 से 30 प्रतिशत के बीच हो सकती है। जिसका भुगतान 18 महीने के

अंदर किया जा सकता है। इसमें यह सुविधा दी जाती है कि ग्राहक खाते में बिना पैसे के भी ट्रैवल कर इसका भुगतान बाद में कर सकते हैं।

ट्रैवल नाउ पे लेटर स्कीम के फायदे

ट्रैवल नाउ पे लेटर सुविधा में सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि आपको तुरंत पैसे खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है। ट्रैवल कंपनी की ओर से एक निश्चित समय दिया जाएगा जिसके अंदर आपको पैसे चुकाने होंगे। इसके बाद आप इस रकम को नो कॉस्ट ईएमआई पर भी चुका सकते हैं। कॉस्ट ईएमआई का मतलब है कि आपको लोन का भुगतान एक साथ करने की जरूरत नहीं है, थोड़ा- थोड़ा करके भुगतान किया जा सकता है।

स्कीम पर लेट लोन चुकाने पर होने वाली दिक्कतें

ज्यादातर TNPL स्कीम के तहत लोन चुकाने का समय कम होता है, ट्रैवल नाउ पे लेटर की बात करें, तो लोन समय से न चुकाने पर भारी ब्याज दर देनी पड़ सकती है। इसलिए, समय रहते भुगतान कर दें। समय पर पैसे नहीं लौटाने से आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित होगा और आपके लिए आगे लोन लेना मुश्किल हो जाएगा।



# अग्निशमन सुविधाओं के विकास के लिए एक फुलप्रुफ योजना : मुख्य सचिव

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 17 अक्टूबर, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संघु ने प्रदेश में अग्निशमन सेवाओं में सुधार के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अग्निशमन सुविधाओं के विकास के लिए एक फुलप्रुफ योजना तैयार की जाए। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध अग्निशमन सेवाओं का गैप एनालिसिस कर इसे पूर्ण रूप से संतुष्ट करने के लिए योजना तैयार किए जाने हेतु निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने कहा कि आवासीय भवनों को फायर स्टेशन के पास ही बनाया जाए। इससे अग्निशमन कर्मियों को भी सुविधा होगी, एक समय पर अधिक से अधिक कर्मी उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि फायर एवं अन्य आवश्यक प्रशिक्षणों के लिए प्रदेश के भीतर ही व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सेलाकुई फायर स्टेशन को प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने एडवांस प्रशिक्षण

कार्यक्रम के लिए ही नागपुर (महाराष्ट्र) के प्रशिक्षण केन्द्र भेजे जाने की बात भी कही। मुख्य सचिव ने बाढ़, भूस्खलन, ध्वस्त संरचनाओं के लिए रेस्क्यू कोर्सेज पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीआरएफ और अग्निशमन सेवाओं के कार्यात्मक एकीकरण की बात भी कही। कहा कि फायर स्टेशनों को अपग्रेड किए जाने हेतु सम्पूर्ण कार्ययोजना तैयार की जाए।

उन्होंने प्रदेशभर में आवश्यकतानुसार फायर स्टेशनों एवं फायर हाईड्रेंट की भी उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों के लिए वहां की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल उपकरणों की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, पुलिस महानिरीक्षक नीरू गर्ग एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक निवेदिता कुकरेती सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।



# मुख्यमंत्री ने दृष्टिबाधित बच्ची से यौन शोषण पर दिए जांच के निर्देश

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 17 अक्टूबर, हल्द्वानी के गौलापार में दृष्टिबाधित बच्ची से यौन शोषण के मामले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए प्रदेश में संचालित आवासीय शैक्षणिक संस्थाओं के सघन निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने समस्त जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। दृष्टिबाधित बच्ची के यौन शोषण के आरोप में बीते शुक्रवार को पुलिस ने नेशनल एसोसिएशन फार द ब्लाइंड (NAB) नवाइखेड़ा, गौलापार के महासचिव एवं संचालक श्याम धानक को गिरफ्तार किया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अमानवीय घटना का गम्भीरतापूर्वक संज्ञान

लेते हुए निर्देशित किया है कि प्रदेश में संचालित तमाम अन्य आवासीय संस्थाओं में तत्काल सघन निरीक्षण किया जाए, ताकि इस प्रकार की दुखद एवं हृदय विदारक घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस प्रकरण में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि सम्बन्धित विभाग व पुलिस के अधिकारियों के साथ संयुक्त टीम बनाकर आवासीय शैक्षणिक संस्थाओं में जागरूकता अभियान चलाया जाए।

उन्होंने कहा कि यदि किसी बच्चे के साथ यौन शोषण अथवा दुर्व्यवहार का कोई प्रकरण संज्ञान में आता है, तो तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही जागरूकता अभियान के अन्तर्गत संस्थाओं में सघन निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट शासन को एक माह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।



# डीएम सोनिका ने त्यूनी को दी लाइब्रेरी की सौगात, युवाओं ने कहा थैंक्स

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 अक्टूबर, जनपद में जिलाधिकारी सोनिका की अभिनव पहल से युवा/विद्यार्थी अपने भविष्य को संवार रहे हैं। जिलाधिकारी की अभिनव पहल से शहर में ही नहीं बल्कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में भी जरतमंदों तक पहुंची है लाइब्रेरी की सुविधा, जिसके सहारे युवा अपने पठन-पाठन की दिनचर्या के साथ ही अपने ही क्षेत्र में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। जिलाधिकारी एवं उनकी टीम को इस अभिनव पहल को स्थानीय लोगों द्वारा सराहा जा रहा है।

शहर के बाद जनपद के जनपद के दूरस्थ तहसील त्यूनी में लाइब्रेरी बनने से यहां के युवाओं/विद्यार्थियों को जहां पठन-पाठन/प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की सुविधा मिली है, वहीं अभिभावक भी जिलाधिकारी/राज्य सरकार की इस पहल से बेहद प्रसन्न हैं। जनपद में 4 लाइब्रेरी सुचारू हो चुकी हैं जबकि 2 लाइब्रेरी पूर्ण होने की अवस्था में है। वही जिलाधिकारी ने उन समस्त युवा/विद्यार्थियों को अपने भविष्य सवारने के लिए भरपूर फायदा उठाने को कहा। साथ ही उन्होंने भूमि की उपलब्धता एवं क्षेत्रवासियों की मांग पर और लाइब्रेरी बनाने की बात कही जिस हेतु उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी सुझाव/अनुरोध करने को कहा।

देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत मॉडर्न दून लाइब्रेरी का निर्माण परेड ग्राउण्ड में



लैन्सडाउन चौक के निकट किया गया है। उक्त परियोजना का उद्देश्य अधिकतम पाठकों को शिक्षा हेतु शांतिपूर्ण वातावरण एवं अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ प्रदान करना है, जिसमें दून लाइब्रेरी पूरी तरह सफल साबित हो रही है। देहरादून शहर के लोगों की तो दून लाइब्रेरी के निर्माण से विभिन्न पुस्तकों से संबंधित आवश्यकता पूरी हो रही है, लेकिन इसके अलावा अन्य स्थानों के भी विद्यार्थी हैं जो विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों को पढ़ना चाहते हैं लेकिन किसी कारणवश नहीं पढ़ पाते हैं। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन देहरादून द्वारा 4 स्थानों पर बच्चों के पढ़ने के लिए लाइब्रेरी को

विकसित किया जा चुका है तथा 2 स्थान पर विकसित किया जा रहा है।

1. त्यूनी (चकराता) 2. विकासनगर (विकासनगर) 3. डोईवाला (डोईवाला) 4. सहसपुर (सहसपुर) 5. कालसी (कालसी) 6. थानो (रायपुर ब्लाक) इनमें से 4 लाइब्रेरी त्यूनी (चकराता) प्राथमिक विद्यालय में शुरू हो चुकी है जिसमें 35 विद्यार्थियों के पढ़ने का स्थान है। विकासनगर (विकासनगर) भी विद्यार्थियों को सौंपी जा चुकी है जिसमें 25 विद्यार्थी आसानी से पढ़ सकते हैं, सहसपुर (सहसपुर) भी तैयार हो चुकी है जिसका लाभ 30 विद्यार्थियों द्वारा लिया



जा रहा है, डोईवाला (डोईवाला) में लाइब्रेरी बनकर तैयार है जिसमें 40-45 विद्यार्थियों के पढ़ने का स्थान है वहीं कालसी (कालसी) एवं थानो (रायपुर ब्लाक) में लाइब्रेरी को अक्टूबर माह के अन्त तक विद्यार्थियों हेतु तैयार कर लिया जाएगा। इसी के अलावा जिलाधिकारी द्वारा और अधिक विद्यार्थियों को लाइब्रेरी का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से

एक पहल को प्रारम्भ कर रहा है जिसमें देहरादून वासियों से यह अपील की गई है कि अगर उन्हें लाइब्रेरी की आवश्यकता है तो वह टोल फ्री नम्बर 18001802525 कॉल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन के फेसबुक पेज पर भी पोस्ट करने के साथ ही दून वन एप्प पर भी आपनी रिक्वेस्ट को अंकित कर सकते हैं।



# जेनरिक और ब्रांडेड दवाई में क्या है अंतर!

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, दवाइयों तो लगभग अब हर फैमिली का हिस्सा बन चुकी हैं। ज्यादातर परिवारों में कोई न कोई ऐसा होता ही है जो रोजाना मेडिसिन लेता ही है। दवाइयों के बाजार में ज्यादा चर्चा जेनरिक मेडिसिन को लेकर होती है। आपको बता दें, ब्रांडेड मेडिसिन और जेनरिक मेडिसिन को लेकर भी काफी बात होती है। आखिर ब्रांडेड और जेनरिक मेडिसिन में क्या अंतर है और साथ ही जेनरिक मेडिसिन के इतने सस्ते होने की क्या वजह है।

### ब्रांडेड और जेनरिक मेडिसिन क्या होती है ?

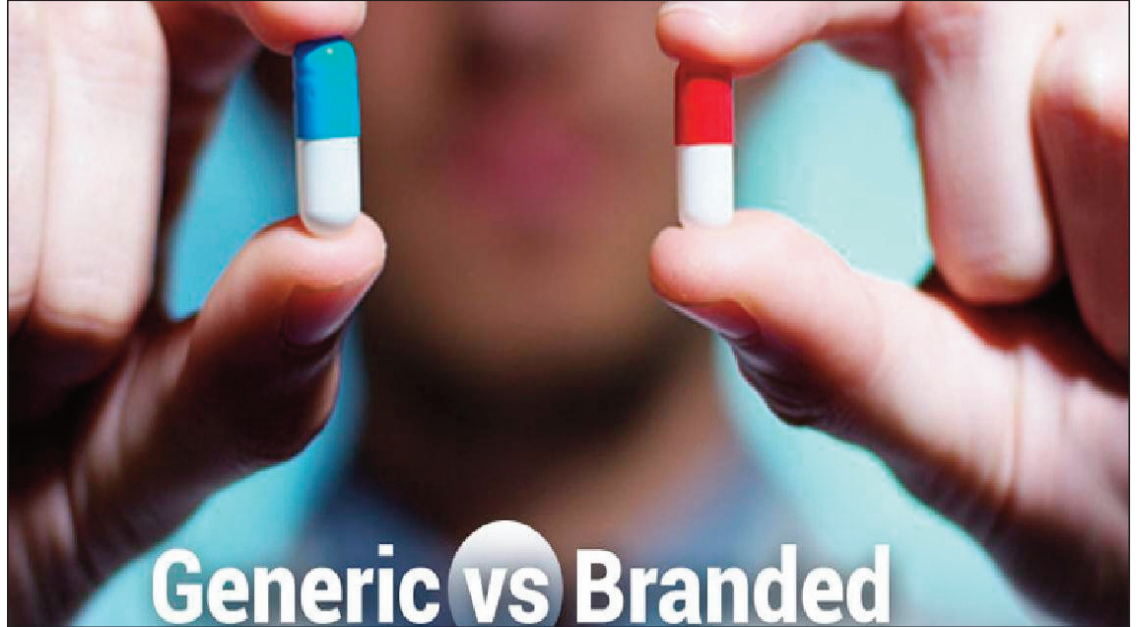
आपको सीधे सरल शब्दों में बताते हैं कि मार्केट में दो अलग तरह की मेडिसिन मिलती हैं। इन दोनों के बीच का अंतर जानने से पहले जानिए आखिर दवाइयां बनती कैसे हैं। दरअसल, इसमें एक फॉर्मूला होता है, जिसमें अलग-अलग कैमिकल को मिलाकर दवाइयां बनाई जाती हैं। जैसे कोई दर्द की दवा बना रहा है तो जिस सामग्री का प्रयोग होता है, उस पदार्थ से दवाई बना ली जाती है। अगर दवाई किसी बड़ी कंपनी की तरफ से बनती है तो वो ब्रांडेड दवाई बन जाती है। इसमें कंपनी का नाम एक ही होता है, जबकि यह बनती

अन्य पदार्थों से है, लेकिन आपने देखा होगा दवाई के रैपर पर कंपनी का नाम सबसे ऊपर होता है।

वहीं, जब उन्हीं पदार्थ को मिलाकर अगर कोई छोटी कंपनी मेडिसिन बनाती है तो मार्केट में इसे जेनरिक दवाइयां के नाम से जानते हैं। इन दोनों दवाइयों में कोई फर्क नहीं होता है, बस सिर्फ नाम और ब्रांड का अंतर होता है। दवाइयां सॉल्ट और मोलिक्यूलस (Molecule) से बनती हैं। इसलिए ध्यान रखें जब दवाइयां खरीदें, तो उसके सॉल्ट पर जरूर ध्यान दें। किसी भी कंपनी पर नहीं, जिसके नाम से दवाइयां बिकती हों। जेनरिक दवाइयां जेनरिक नाम से ही बेची जाती हैं। ब्रांडेड और जेनरिक दवाओं के बीच बड़ा अंतर बस छवि बनाने और बिक्री को बढ़ाने के लिए मार्केटिंग की प्लानिंग का हिस्सा होती है।

### सस्ती क्यों होती है जेनरिक दवाइयां ?

जेनरिक मेडिसिन के सस्ते होने की वजह यही है कि ये किसी भी बड़े ब्रांड से जुड़ी नहीं होती है। इसी कारण इन दवाइयों की मार्केटिंग पर ज्यादा पैसा बिलकुल भी खर्च नहीं होता है। इसके साथ ही रिसर्च, डेवलपमेंट, मार्केटिंग, प्रचार पर पर्याप्त लागत आती है। लेकिन, जेनरिक मेडिसिन, पहले डेवलपर्स के पेटेंट की



अवधि खत्म होने के बाद उनके फार्मूलों और सॉल्ट का प्रयोग करके बनाई जाती हैं। ये सीधी मैन्युफैक्चरिंग की जाती है, क्योंकि इनका

ट्रायल पहले से ही हो चुका होता है। मोदी सरकार प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र चलाती है, जिसके तहत कमजोर वर्ग के लोग सस्ती

दवाइयां ले सकते हैं। ये छोटे मेडिकल स्टोर जैसे होते हैं, जिनपर जेनरिक दवाइयां सस्ते दाम पर मिलती हैं।

# जल्दी बूढ़े हो जाते हैं किरायेदार ! रोचक रिसर्च का सच

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, दिल्ली-मुंबई समेत दुनिया के तमाम शहरों में बहुत सारे लोग किराये के मकान में रहते हैं। क्योंकि महंगाई इतनी ज्यादा है कि हर कोई घर नहीं खरीद सकता। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि अगर आपकी कमाई कम है तो घर खरीदने से बेहतर है कि आप किराये पर ही रहें। लेकिन किराये के मकान में रहने की कई दिक्कतें हैं। कब मकान मालिक आपको फ्लैट खाली करने को कह दे, कहा नहीं जा सकता। आप उस घर को अपने हिसाब से सजाकर नहीं रख सकते क्योंकि किसी तरह का बदलाव नहीं करा सकते। यह तो आम दिक्कतें हैं, लेकिन एक रिसर्च में अजीबोगरीब खुलासा हुआ है। पता चला है कि जो लो किराये के मकानों में ज्यादा समय तक रहते हैं, वे जल्दी बूढ़े हो जाते हैं।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल के जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ में यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इसमें कहा गया है कि घर किराए पर लेने का तनाव लोगों को मोटापे, धूम्रपान या बेरोजगारी की तुलना में ज्यादा

परेशान कर रहा है। इस तनाव की वजह से लोग तेजी से बूढ़े हो रहे हैं। किराया चुकाने के लिए संघर्ष करना, दफ्तर या कामकाज वाली जगहों पर आने-जाने में होने वाली परेशानियां भारी तनाव दे रही हैं।

### उम्र पर ज्यादा असर डाल रहा

शोधकर्ताओं का तर्क है कि मकान होना स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण कारक है। यह बेरोजगारी जैसे अन्य सामाजिक कारणों की तुलना में आपके उम्र पर ज्यादा असर डाल रहा है। अगर आपका अपना घर हो तो कई तरह का दबाव कम होगा। शोध से यह भी पता चला कि प्रदूषण, गंदगी और अन्य पर्यावरणीय समस्याएं आपके बालों का रंग सफेद कर रही हैं। अगर लोगों को उनका आवास समय पर मिल जाए तो इस चिंता से वे मुक्त होंगे। तनाव का सामना नहीं करना पड़ेगा।

### रिसर्च ब्रिटेन में 40,000 घरों की गई

यह रिसर्च ब्रिटेन में 40,000 घरों की गई। हालांकि, शोधकर्ताओं का कहना है कि यह जरूरी नहीं कि पूरी दुनिया के लिए यही पैमाना



हो क्योंकि हर जगह के हालात अलग होते हैं। एनवाईयू ग्रांसमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन में सह-

निदेशक गिजेल राउथियर ने कहा, निष्कर्ष में आश्चर्य जैसी कोई बात नहीं। यदि आपके पास

ऐसा घर नहीं है जहां आप सुरक्षित महसूस करें, तो रोजाना की चुनौतियां तो होंगी ही।

# कचरे से कंचन बना रही फुटपाथथाला !

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक स्कूल फुटपाथ पर चलता है। हर रोज इसमें 40 बच्चे पढ़ने आते हैं। इनसे खास तरह की फीस ली जाती है। वह फीस होती है पढ़ने की फीस है बेकार प्लास्टिक बोतलें, NTPC से रिटायर्ड अफसर चलाती हैं फुटपाथथाला ! जी हाँ सही पढ़ा आपने एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंदिरापुरम में एक ऐसा स्कूल है जो फुटपाथ (फुटपाथथाला) पर चलता है। इसमें रोजाना करीब 40 बच्चे पढ़ने आते हैं। उन्हें पढ़ाई के साथ ही खाना, ड्रेस और किताब-कॉपी दी जाती है। इन सबके बदले बच्चों से स्पेशल फीस ली जाती है। वह स्पेशल फीस है बेकार की प्लास्टिक की बोतलें और प्लास्टिक वेस्ट। इसका फायदा यह है कि बेकार में वेस्ट चारों ओर नहीं फैलता और बच्चे भी साफ सफाई के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

फीस है बेकार की प्लास्टिक की बोतलें इंदिरापुरम के ज्ञान खंड चार में रहने वाली नीरजा सक्सेना नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (NTPC) से रिटायर्ड अधिकारी हैं। उनकी पहल से इस खास पाठशाला में बच्चों को शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का पाठ भी पढ़ाया जाता है। नीरजा ने NBT से बातचीत में बताया

कि उनके परिवार के सदस्य न्यूजीलैंड में रहते हैं। कोरोना काल में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की भूख को उन्होंने करीब से देखा था। इस पर उन्होंने अन्नदान करना शुरू किया। हालात बदले तो ऐसे बच्चों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास किए। उनको पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। शुरू में ही अच्छे रैस्पॉन्स ने उनको हिम्मत दी। इसके बार यह कारवां बढ़ता गया।

### फुटपाथथाला का मकसद नेक था

नीरजा बताती हैं, बच्चों के माता-पिता काम पर जाने लगे तब उन्होंने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस सोच के साथ फुटपाथथाला चलाई कि ये बच्चे गाली-गलौज न सीखें, गलत राह पर न जाएं, नशे आदि का सेवन न करें। यह तभी संभव है जब वे शिक्षित होंगे। बच्चों का समय अच्छे काम में लगे। यही सोचकर उन्होंने प्री कक्षा लगानी शुरू की।

### क्लास में रोज आते हैं बच्चे

बच्चों को कविताओं से, प्रार्थना से, शिक्षाप्रद कहानियों से, खेल-खेल में सिखाना आदि तरीकों से उनमें पढ़ाई की रुचि पैदा की। आज उनके पास 60 से भी ज्यादा बच्चे हैं। गर्मी हो या सर्दी रोज कक्षा में पढ़ने आना चाहते हैं। इस वर्ष उनके 25-30 बच्चों का अच्छे स्कूल में एडमिशन हो गया और 4 बच्चों के लिए



स्पॉन्सरशिप मिल गई। यहां पढ़ने वाले लवकुश, चंदन, भारती और अन्य बच्चों ने बताया कि यदि मैडम नहीं होती तो वे अक्षर के ज्ञान से रूबरू नहीं हो पाती।

नीरजा ने बताया कि इन बच्चों से फीस के रूप में बेकार प्लास्टिक की बोतलें, पन्नी और अन्य प्लास्टिक की सामग्री ली जाती है। ये

बच्चे अपने आसपास फैले प्लास्टिक वेस्ट को एकत्र कर लाते हैं। उसे हम एक एनजीओ की मदद से आईपीसीएल को देते हैं। वह इसे रिसाइकिल कर इसका उपयोग करते हैं। उससे ईको-ब्रिक्स बनाया जाता है। इस पहल से न केवल पर्यावरण का संरक्षण होता है बल्कि बच्चे भी साफ सफाई को लेकर जागरूक हो रहे

हैं। आज हालत यह है कि बच्चे आसपास के पार्क में जाकर वहां से वेस्ट प्लास्टिक एकत्र कर उन्हें देते हैं। कभी खुद कूड़ा फैलाने वाले बच्चे अब किसी भी सड़क या चैराहे पर पड़ा प्लास्टिक झट से उठा लेते हैं। उनकी इस कोशिश में आसपास रहने वाले भी आर्थिक और अन्य तरह से मदद करते हैं।



# कार की सफाई के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, सालों साल तक चमचमाती रहेगी आपकी गाड़ी

## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अक्टूबर : अगर आप अपनी कार से सचमुच प्यार करते हैं जरूरी है कि गाड़ी की सर्विसिंग करवाने के साथ-साथ उसकी घर पर भी थोड़ी केयर की जाए. इसमें कार की साफ-सफाई भी शामिल है. हालांकि आज की भागमभाग वाली जिंदगी में ज्यादातर लोग अपनी कार की क्लीनिंग दूसरों से करवाते हैं लेकिन कभी-कभी खुद से भी कार को क्लीन करना आपकी गाड़ी को लाइफ को और बेहतर बना सकता है।

कार मेंटेनेंस के मामले में हमारा ध्यान अक्सर इंजन और माइलेज पर ही रहता है मगर कई बार हमारी गाड़ी बैट्टेरिया से भरी होती है. ऐसे में कुछ दिनों के अंतराल में गाड़ी को साफ किया जाना चाहिए. हालांकि घर पर कार वॉश करते वक्त लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिनका खामियाजा उन्हें आगे जाकर भुगतना पड़ता है. आज हम कार एक्सपर्ट आहिल खान से मिले जिनकी वर्क शॉप AK MOTOR के नाम से है, उन्होंने कुछ ऐसे टिप्स के बारे में

बताया जो आपको कार क्लीनिंग करते वक्त जरूर फॉलो करने चाहिए, कार क्लीनिंग के वक्त अगर आप इन पांच तरीकों पर अमल कर लेंगे तो आपकी गाड़ी कई सालों तक एकदम नए मॉडल की तरह नजर आएगी।

1. कार को साफ करते हुए शुरू में गीले कपड़े का इस्तेमाल न करें इससे पेंट पर खरोच आ सकती है. जरूरी है कि आप सबसे पहले एक सूखा कपड़ा लें और गाड़ी पर जमा डस्ट को हल्के हाथों से साफ कर लें.

2. ज्यादातर लोग कार को साफ करने के लिए साबुन या वॉशिंग पाउडर का इस्तेमाल करते हैं लेकिन ये आपकी गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचाता है. इससे गाड़ी का पेंट खराब होता है. मार्केट में कई तरह के कार क्लीनिंग लिक्विड आते हैं जिनकी मदद से आप अपनी कार चमका सकते हैं.

3. कार को धोते समय इस हल्के हाथों का इस्तेमाल करें और इसके लिए किसी सॉफ्ट कपड़े या स्पंज का यूज करें, हार्ड या स्क्रब पैड्स का इस्तेमाल करने से बचें,

इससे आपकी कार में स्क्रैच आ सकते हैं.

4. गाड़ी को क्लीन करते वक्त पानी डालने का तरीका जानना भी बेहद जरूरी है. सबसे पानी का फोर्स कार की छत की तरफ डालना चाहिए ताकि ऊपर जमा हुई धूल-मिट्टी नीचे आ जाए. इससे पानी की भी बचत होगी और आपका समय भी बचेगा. इसके बाद कार के बाकी हिस्सों को भी साफ कर लें.

5. गाड़ी की चमक को कायम रखने के लिए आप किसी पॉलिश का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. कार को एकदम नए जैसा रखना है तो हर तीन में इसकी पॉलिशिंग जरूर करवा लें। और एक्सपर्ट आहिल खान ने बताया की जैसे आप खुद का ख्याल रखते हो वैसे ही अपनी कार का भी ख्याल रखना चाहिए इससे आपकी कार कई सालों तक एकदम नए मॉडल की तरह नजर आएगी। और हमेशा गाड़ी को वर्क शॉप पर ही साफ कराए हालांकि घर पर कार वॉश करते वक्त लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिनका खामियाजा उन्हें आगे जाकर भुगतना पड़ता है।



## 16 अक्टूबर को विश्व बॉस डे मानती है दुनिया, जानिए खूबियां



## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 17 अक्टूबर, दुनियाभर में 16 अक्टूबर को विश्व बॉस डे मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का उद्देश्य कर्मचारी अपने बॉस की इज्जत करें और बॉस वर्क प्लेस पर अपने कर्मचारियों के साथ अच्छा सुलूक करे. हालांकि कुछ ऐसे भी बॉस होते हैं, जो बिना किसी की राय जाने अपने निर्णय कर्मचारियों पर थोप देते हैं और हमेशा तानाशाही फरमान सुना देते हैं. वहीं, कुछ बॉस वाकई लीडर की तरह होते हैं, जो कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनका साथ देते हैं. कोई भी मुश्किल आने पर टीम से पहले ही वो उसका मुकाबला करते हैं. माना जाता है कि ऐसा करने से कर्मचारी और बॉस के रिश्ते मजबूत होते हैं. साथ ही कर्मचारी कंपनी की बेहदारी के लिए अच्छे से काम कर पाते हैं. दरअसल, बॉस का कर्मचारियों के प्रति अच्छा सुलूक ही उन्हें परफेक्ट लीडर बनाता है. अब सवाल है कि आखिर बॉस डे मनाया क्यों जाता है? कौन गुण बॉस को परफेक्ट बनाते हैं? कैसा बॉस सबसे बेहतर होता है? आइए बेवसाइट बिजनेसन्यूजडेली के मुताबिक जानते हैं इसके पीछे की कहानी-

बॉस डे की अमेरिका में हुई थी शुरुआत बॉस डे की शुरुआत अमेरिका से हुई थी.

अमेरिका के इलिनोइस में मौजूद कंपनी स्टेट फार्म इंश्योरेंस में पेट्रीसिया बे हारोस्की नाम की एक लड़की बतौर सेक्रेटरी काम करती थी. कंपनी के बॉस और पेट्रीसिया बे हारोस्की का रिश्ता बाप-बेटी की तरह था. पेट्रीसिया बे हारोस्की चाहती थीं कि उनके साथी बॉस की इज्जत करें. इसलिए उन्होंने 1958 को यूएस चैम्बर ऑफ कॉमर्स में नेशनल बॉस डे रजिस्टर कराया. पेट्रीसिया ने इस दिन के लिए 16 अक्टूबर की तारीख तय की थी. इसी दिन उनके बॉस की योम पैदाइश थी. इलिनोइस के गवर्नर ने सन 1962 में पेट्रीसिया के रजिस्ट्रेशन को अप्रूव किया और इस दिन को मनाने का ऐलान कर दिया.

बॉस के ये 5 गुण लीडरशिप को बनाते हैं परफेक्ट

विजयनी बॉस: कंपनी के साथ-साथ अपने इम्पलॉई की ग्रोथ का लक्ष्य साथ लेकर चलने वाला इंसान ही एक विजयनी बॉस होता है. ऐसे में यदि आप भी अपने कर्मचारी की ग्रोथ के बारे में सोचते हैं तो आपके भीतर एक अच्छे बॉस के गुण हैं.

खुशामिजाज और हेल्पफुल: यदि कोई अपने सहकर्मियों की गलती पर उनपर चिल्लाए या गुस्सा किए बिना उन्हें समझाते हैं तो आपके भीतर अच्छे बॉस का ये दूसरा गुण भी मौजूद है. आपका हंसता और खुशामिजाज चेहरा आपके सहकर्मियों

को आपके साथ अपनी समस्या को शेयर करने का हौसला और काम को बेहतर बनाने का उत्साह भर सकता है.

आलोचना के साथ तारीफ भी: एक अच्छा बॉस कर्मचारी हित में सदैव सोचता है. यदि आपका बॉस कर्मचारियों की तारीफ और आलोचना करते समय हमेशा संतुलन बनाए रखता है तो इससे न सिर्फ ऑफिस का माहौल बेहतर बनता है बल्कि वो अपने सहकर्मियों का भी फेवरेट बॉस बन जाता है. इससे उनमें काम करने की क्षमता को बल मिलता है.

मोटिवेट करने वाला बॉस: एक रिसर्च के मुताबिक, यदि किसी बॉस का नेचर अपने सहकर्मियों को मोटिवेट करने वाला होता है तो उसका कंपनी में कर्मचारी का वर्क एंगेजमेंट 91 प्रतिशत तक बढ़ जाता है. इससे न सिर्फ इंप्लाइज की ग्रोथ बढ़ती है, बल्कि कंपनी की भी ग्रोथ बढ़ जाती है.

काम में आजादी देने वाला बॉस: नई पीढ़ी के पास अक्सर अपने काम को बेहतर बनाने के लिए कुछ नए तरीके मौजूद हो सकते हैं. लेकिन कई बार कुछ बॉस इन इम्पलॉई को कुछ भी नया करने से रोक देते हैं. माना जाता है कि काम करने की आजादी देने वाला बॉस कंपनी, इम्पलॉई और खुद के लिए बेहतर साबित हो सकता है.

## 21वीं सदी का ये तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है

### हर्ष रंजन, वरिष्ठ पत्रकार की कलम से न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब ये कहते हैं कि 2021 से 2030 का दशक उत्तराखंड का दशक है तो उसके कुछ मायने होते हैं। उत्तराखंड की पहचान पिछले कुछ वर्षों तक एक ऐसे राज्य की थी जहां मौसम से पहले मुख्यमंत्री बदल जाते थे। राजनीतिक अस्थिरता राज्य की रंगों में बस गया था। ऐसे में राज्य में व्यापार और उद्योग बढ़ाने की संभावनायें कम हुईं जा रही थीं, निवेश की तो पूछे ही कौन?

उत्तराखंड में 2022 के विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले जब युवा नेता पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया तो भी लोगों को लगा कि राज्य की राजनीतिक चुनौतियों और आपसी टकरावों से निपटने में ये रायद ही कामयाब हों। फिर चुनाव हुए तो मुख्यमंत्री धामी अपनी खुद ही सीट खटौती से लगभग सात हजार वोटों से हार गये। इस हार के बावजूद जब उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया तो उसी समय यह स्पष्ट हो गया था कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र की माजपा सरकार उत्तराखंड में राजनीतिक स्थिरता पैदा कर विकास और निवेश के नये द्वार खोलना चाहती है।

लगभग डेढ़ साल बाद आज देश और विदेश के अनेक पूर्णपति और व्यापारी उत्तराखंड से जुड़कर अपने कारोबार को नई ऊंचाईया देना चाह रहे हैं। 8 और 9 दिसंबर 2023 को देहरादून में आयोजित होने वाले उत्तराखंड वैश्विक निवेशक महासम्मेलन (ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में निवेशकों द्वारा किये जा रहे रजिस्ट्रेशन को देखकर तो ऐसा ही लगता है। इस निवेशक सम्मेलन में भागीदारी के लिये भारत से ही नहीं अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड सहित दुनिया भर के देशों के सैकड़ों निवेशक और उद्योगपति दिलचस्पी दिखा चुके हैं। उत्तराखंड निवेशक महासम्मेलन को सफल बनाने के लिये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं दिनरात एक कर दिया है। कारोबारियों के हित में व्यापार और उद्योग को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिये नीतिगत बदलावों से लेकर मीटिंग और रैड-शो करने तक का काम मुख्यमंत्री सीधे अपनी देखरेख में करवा रहे हैं। पिछले 26 से 28 सितंबर तक धामी इंग्लैंड के निवेशकों से रू-ब-रू होने लंदन में ये जहां रोड-शो और बैठकें की गईं।

इस महासम्मेलन को सफल बनाने के लिये देश के कुल सात शहरों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चार रोड-शो किये जा रहे हैं। जिला स्तर पर भी 13 कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं ताकि राज्य के लोग निवेश से पैदा होने वाले अवसरों की पहचान कर इसमें अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। इसके अलावा निवेशकों को लुभाने के लिये 12 से अधिक सेक्टर विशेष की पहचान की गई है जहां 200 से अधिक प्रोजेक्ट पर निवेशक अपना उद्यम लगा सकते हैं। साथ ही कारोबारियों को सुविधा देने के लिये 30 से अधिक नीतियों को 'इज ऑफ इंडंग बिजनेस' के तहत सुगम बनाया गया है। कुल 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली तैयार परियोजनाओं की रूपरेखा भी तैयार की गई है ताकि निवेशकों को अपन निवेश का विकल्प चुनने में सहूलियत हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि दो दिवसीय निवेशक महासम्मेलन दुनिया भर के व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडलों, कॉर्पोरेट प्रमुखों, शिष्टाचारितों और नवप्रवर्तकों के लिये एक मंच होगा ताकि सामूहिक रूप से उत्तराखंड राज्य में व्यावसायिक अवसरों और साझेदारियों का पता लगाया जा सके। महासम्मेलन में पांच हजार से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है।

निवेशक महासम्मेलन में उत्तराखंड सरकार की 15 से अधिक निवेशक-अनुकूल क्षेत्रीय नीतियों, सुरासन पहलों, सक्षम नियामक वातावरण और टिकाऊ प्रथाओं का प्रदर्शन किया जायेगा। महासम्मेलन अपने निवेशकों के लिये बेहतर निर्णय लेने में समर्थन और सहायता के लिये बिजनेस - टू - बिजनेस (बी2बी) और सरकार - टू - बिजनेस (जी2बी) बैठकों की भी मेजबानी करेगा। महासम्मेलन प्रदर्शकों और निजी सार्वजनिक संगठनों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और भविष्य के रुझानों को सहयोग करने और प्रदर्शित करने के अवसर भी प्रदान करने वाला है। महासम्मेलन क्षेत्रीय सत्र उद्योग की चुनौतियों और अवसरों पर वास्तविक और व्यापक चर्चा को सक्षम बनायेगा ताकि निवेशक खुलकर निवेश के सभी पक्षों पर अपनी बात रख सकें।

जाहिर तौर पर उत्तराखंड में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने जा रहा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एक नये उत्तराखंड की पहचान बनेगा जहां शिक्षा, बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, टूरिज्म, लजिस्टिक्स समेत 13 से अधिक सेक्टर विशेष अपनी बाहें फैलाये निवेशक उद्यमियों का इंतजार कर रही हैं।

इस सीरीज की अगली कड़ियों में हम हर सेक्टर के बारे में विशेष जानकारियों को आपके समक्ष प्रस्तुत करते रहेंगे।

ग्लोबल  
इन्वेस्टर्स समिट  
विशेष-1



# बड़ी खबर : ओलंपिक में शामिल किया गया क्रिकेट, 2028 में खेलेंगी क्रिकेट टीम



## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अक्टूबर। क्रिकेट को लेकर बड़ी खबर आ रही है। इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी ( आईओसी ) ने ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की घोषणा की है। क्रिकेट को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक्स में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सोमवार को मतदान के बाद यह घोषणा की। क्रिकेट को आधिकारिक तौर पर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है।

सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति यानी आईओसी ने इसकी घोषणा कर दी है। पिछले सप्ताह आईओसी की कार्यकारिणी बैठक में क्रिकेट समेत पांच खेलों को ओलंपिक में शामिल करने के लिए मंजूरी दी गई थी। जिसके बाद इसकी आधिकारिक घोषणा भी कर

दी गई है। क्रिकेट के टी-20 प्रारूप को एलए 2028 ओलंपिक में शामिल किया गया है। सोमवार को आईओसी ने क्रिकेट रोस्टर में पुरुषों व महिलाओं की प्रतियोगिताओं में क्रिकेट समेत पांच खेलों को शामिल करने के लिए मतदान किया। क्रिकेट के अलावा बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश को भी शामिल करने की घोषणा कर दी गई। भारत में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड कप के बीच क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह खुशखबरी है। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने मुंबई में हुए मतदान के बाद कहा कि "हम आईआईसीसी के साथ उसी तरह से कार्य करेंगे जैसे मैं सभी खेलों में करते हूँ। हम यहां विभिन्न राष्ट्रीय फ्रेंचाइजी के साथ काम नहीं कर रहे हैं, हम अंतर्राष्ट्रीय महासंघों के साथ काम कर रहे हैं और उनके विचारों को प्राप्त करने के लिए

उत्सुक हैं।" थॉमस ने पिछले हफ्ते खेलों को मंजूरी मिलने के समय कहा था कि "हम क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को देख रहे हैं, खास तौर पर टी-20 प्रारूप की। विश्व कप पहले से ही एक बड़ी सफलता है।" ओलंपिक 2028 में बेसबॉल, लैक्रोस, स्क्वैश और फ्लैग फुटबॉल समेत क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट को शामिल किया गया है।

ओलंपिक में अखिरी बार 1900 में क्रिकेट खेला गया था। इन ओलंपिक खेलों में क्रिकेट का सिर्फ एक मैच स्वर्ण पदक के लिए खेला गया था। जबकि पूरे 128 सालों बाद अमेरिका में पुरुष और महिला दोनों के क्रिकेट इवेंट ओलंपिक में होंगे। इसके लिए लॉस एंजिल्स गेम्स आयोजन समिति ने ही सिफारिश की थी। टीमों की संख्या और योग्यता प्रणाली पर अंतिम निर्णय बाद में लिया जाएगा।

## हाथ धोना स्वास्थ्य के लिए होता है जरूरी

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अक्टूबर : अच्छी सेहत के लिए खानपान के साथ साफ-सफाई का ध्यान रखना भी जरूरी होता है वहीं पर हर कोई इन नियमों का पालन कम ही कर पाते हैं। 'ग्लोबल हैंड वाशिंग' डे मनाया गया है वहीं पर बताया गया की हाथ धोना कितना जरूरी होता है आपको बताते चलें, कोरोना काल के बाद से हाथ धोने को महत्वता दी गई है तो वहीं पर डॉक्टर यही निर्देश दे रहे थे कि समय-समय पर हाथ धोते रहिए। यहां पर नियमों के मुताबिक समय-समय पर हाथ धोने से कई तरह की बीमारी दूर रहती है वहीं पर हाथों में छिपे किटाणु भी खाने के साथ हमारे पेट के अंदर नहीं जा पाता है।



भी हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए हाथ धोना जरूरी होता है।

4- अगर आप किसी पब्लिक प्लेस में मौजूद हैं तो भी हाथ धोना चाहिए, पब्लिक प्लेस पर घूमने गए वहां के दरवाजे के हैंडल, और साझा वस्तुएं कीटाणुओं का भंडार होता है। इसके लिए हाथ धोएं।

कैसे धोना चाहिए हाथयहां पर हाथ धोने के लिए आप नियमों का पालन करें,

1-अपने हाथों को गीला करने के लिए साफ, बहते पानी का प्रयोग करें. यह गर्म या ठंडा हो सकता है।

2- आगे हाथों को साफ करने के लिए आप

हाथ की सभी सतहों को ढकने के लिए पर्याप्त साबुन का प्रयोग करें।

3- साबुन लगाने के बाद आप हाथों को हथेली से हथेली तक रगड़ें. अपने हाथों के पिछले हिस्से, अपनी उंगलियों के बीच और अपने नाखूनों के नीचे रगड़ें. ऐसा कम से कम 20 सेकंड तक करें।

4- हाथों को धोने के लिए बहते पानी के नीचे रखें, हाथ साफ हो जाते हैं।

5- हाथ धोने के बाद साफ तौलिये या एयर ड्रायर का प्रयोग करें. यदि आप तौलिये का उपयोग कर रहे हैं, तो अपने हाथों को जोर से रगड़ने के बजाय थपथपाकर सुखाएं.

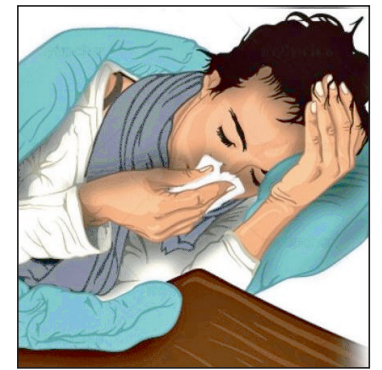
## बदलते मौसम में स्वास्थ्य का रखें खास ख्याल बरतें ये सावधानियां

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अक्टूबर : इन दिनों मौसम में तेजी से बदलाव आ रहा है। दिन में पारा सामान्य है तो रात और सुबह के समय सामान्य से कम दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। जरा सी लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है और आप बीमारी की जद में आ सकते हैं।

मौसम में आ रहा यह बदलाव अन्य बीमारियों का भी कारण बन सकता है। इसलिए बदलते मौसम में सेहत का ख्याल न रखना भारी पड़ सकता है। चूंकि मौसम में तेज उतार चढ़ाव के अनुसार शरीर अपने आप को ढाल नहीं पाता और बीमारी का शिकार हो जाता है। गर्मी से सर्दी में बदलता मौसम लोगों के स्वास्थ्य पर असर डालता है। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम में इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में सर्दी जुकाम और बुखार की परेशानी आम बात है। एक्सपर्ट डॉक्टर बताते हैं कि ऐसे मौसम में खानपान तथा रहन-सहन के मामले में खास ध्यान देने की जरूरत होती है। सर्दी होने पर गर्म पेय पदार्थों का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए। बदलते ऐसे मौसम में वायरल बुखार के मामले सबसे अधिक बढ़ते हैं। बड़ों के साथ बच्चे भी वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। इस मौसम में बच्चों तथा बुजुर्गों को एहतियात बरतने की जरूरत है। सर्दी का मौसम होने के कारण सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां लोगों को परेशान कर रही हैं। सबसे पहले बच्चे इनकी



चपेट में रहे हैं।

**बदलते मौसम में बरतें यह सावधानियां**

- बदलते मौसम में संक्रमण का खतरा होता है। ऐसे में गर्म वस्त्र ही पहनना चाहिए।

- खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। पौष्टिक आहार लेना चाहिए, इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

- ज्यादा ठंडे पदार्थों का सेवन भी कई बार वायरल बुखार का कारण बन जाता है।

- अगर सिर दर्द या बुखार महसूस हो तो अपनी मर्जी से दवा न लें। विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह से ही लें।

- सुबह की सैर के साथ-साथ योग भी अच्छा व्यायाम होता है। बदलते मौसम में नियमित योग करना चाहिए।

- मौसम बदलते समय खांसी एवं फेफड़ों से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे पीड़ित मरीज को रोजाना भाप लेने के साथ नमक मिले गुनगुने पानी से गरारे करना चाहिए।

## एक ऐसा व्यक्ति जिसने 52 सालों से नहीं किया स्नान

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 17 अक्टूबर : सदी का एक ऐसा व्यक्ति है जिसने 52 वर्षों से स्नान नहीं किया, जिसके 6 फीट लम्बे बाल और दाढ़ी हैं, जो सिर्फ अग्नि स्नान करता है। समाज के वैदिक परम्पराओं से कोसों दूर अपने आप को रख कर जीवन यापन करना अपना लक्ष्य बना रहा है। सामाजिक और पारिवारिक तिरस्कार के बाद भी अपने को संकल्पित कर एक ही मार्ग पर चलना जिसने जीने का साधन समझा है, जिसकी गणना लोग सदी के महान प्राणियों में करते हैं।

हम बात कर रहे हैं पिण्डरा ब्लॉक के छताव गाँव के रहने वाले 81 वर्ष के कैलाश सिंह 'कलाऊ' की जो पिछले 52 वर्षों से न नहाए हैं और न ही अपने बाल दाढ़ी को कटवाया है। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि यह देश के लिए प्यार है।

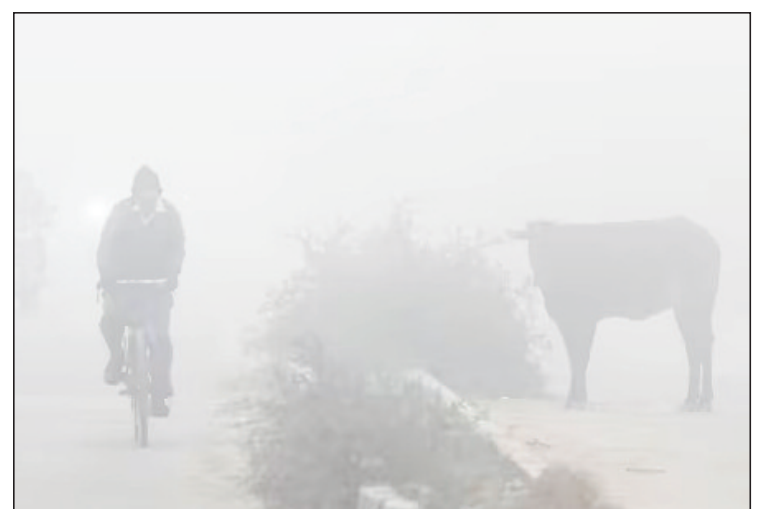
कोरोना काल में भी स्नान करना उसने ठीक नहीं समझा। अग्नि स्नान से वे अपने को आपको स्वच्छ रखता है। भगवान शिव को अपना आराध्य देव मानकर उनकी प्रार्थना करते हैं। 12



**'52 सालों' से नहीं नहाया यह शख्स सिर्फ अग्नि से करता है स्नान**

महीने स्वेटर पहने रहते हैं। अग्नि वह बस गर्म पानी पीने पीते हैं। उनके कथन के अनुसार अग्नि स्नान शरीर में सभी कीटाणुओं और संक्रमणों को मारने में मदद करता है। कलाऊ को कुल सात पुत्री थी जिसके कन्यादान से पहले भी उन्होंने नहाना मुनासिब नहीं समझा। भाई के मृत्यु के बाद भी कलाऊ ने गंगा में डुबकी लगाने से इनकार कर दिया था। 'कलाऊ' न नहाने को व्रत तथा उपवास मान बैठे हैं, पहले वह किराने की

दुकान के मालिक थे, लेकिन उनकी अशुद्ध आदतों के कारण ग्राहकों ने आना बंद कर दिया था, जिसके वजह से दुकान में ताला लटक गया। अब वह पशुपालन तथा खेती-बाड़ी से अपना गुजारा करते हैं। वही इनके बड़े भाई की बहु सुमन सिंह का कहना है कि स्नान करने को लेकर कई बार इनको कहा गया, लेकिन वो अपने जिद्द पर अड़े रहे। इसलिए उनको उनके हाल पर छोड़ दिया गया।





# SSP कर्णप्रयाग ने कोतवाली कर्णप्रयाग अर्धवार्षिक का किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश



## न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कर्णप्रयाग 17 अक्टूबर : क्षेत्राधिकारी कर्णप्रयाग अमित कुमार द्वारा कोतवाली कर्णप्रयाग का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया जिसमें सभी कर्मियों को आवश्यक

दिशा निर्देश दिए गए। थाने के मालखाने का रख रखाव और मैस की साफ सफाई की प्रशंसा करते हुए और बेहतर करने की हिदायत दी गई। थाने पर मौजूद समस्त अस्लाह, कारतूस, एवं थाने के अभिलेख

माल मुकदमाती, पुलिस भोजनालय, कम्प्यूटर, सीसीटीएनएस कक्ष, आवासीय परिसर का निरीक्षण किया गया। अस्लाह, कारतूसों के बारे में जानकारी लेकर, उनकी हंडलिंग कराई गई। लंबित मामलों के

निस्तारण/अपराधियों के सत्यापन हेतु निर्देशित किया गया। क्राइम ओ0आर0 लेकर लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। निरीक्षण के उपरान्त थाने पर मौजूद अधिकारी, कर्मचारियों

का सम्मेलन लिया गया तथा उनकी समस्याएं सुनी गईं और त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक डी0एस0 रावत, एवं थाने में नियुक्त सभी अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

## संपादकीय



### अध्यापकों का मानसिक सर्वे

बिहार में एक और सर्वेक्षण किया जाएगा। यह राजनीतिक या जातीय से बिल्कुल अलग होगा और अध्यापकों की मानसिक सेहत और तनाव का अध्ययन करेगा। सबसे गरीब और पिछड़े राज्य में 4 लाख से अधिक अध्यापक सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। उनके अध्यापन की एक बानगी ही पर्याप्त है, जो उनकी विवशता भी है। कई अध्यापक, कई स्कूलों में ऐसे अध्यापन के दंश झेल रहे हैं कि चार अध्यापकों को, एक ही क्लास रूम में, दो ब्लैक बोर्ड पर, साथ-साथ पढ़ाना पड़ता है। कक्षा में आधे छात्र एक तरफ देखते हुए पढ़ते हैं, तो आधे छात्रों के चेहरे विपरीत दिशा में होते हैं। चार अध्यापक पढ़ा रहे हैं, तो जाहिर है कि उनके विषय भी भिन्न होंगे! एक ब्लैक बोर्ड पर अध्यापक भी अलग-अलग कुछ लिख कर छात्रों को पढ़ाने को विवश है। मानसिक तनाव अध्यापकों को ही नहीं, बल्कि छात्रों को भी होना चाहिए। उनके लिए कितना बड़ा असमंजस है कि उन्हें एक साथ गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी आदि विषय पढ़ने होते हैं! क्या एक छोटा-सा बच्चा, एक साथ, कई विषयों को पढ़ और ग्रहण कर सकता है? इस तकनीकी मनोविज्ञान का भी सर्वे किया जाना चाहिए। हमने बिहार के अध्यापकों और सरकारी स्कूलों पर ऐसी कई रपटें देखी हैं। पूछने पर अध्यापकों का स्पष्टीकरण भी एक आश्चर्य है कि हमारे छात्र मेधावी हैं। एक साथ कई विषय पढ़ने के अभ्यस्त हो गए हैं। यह दुनिया का कौनसा आश्चर्य है? बहरहाल इसी माह के अंत में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के मानसिक तनाव, मन-स्थिति, औसत मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित सर्वेक्षण किया जाना है। दलीलें दी जा रही हैं कि औसत अध्यापक गहरे मानसिक तनाव का शिकार है, लिहाजा वह समय पर अपना पाठ्यक्रम पूरा करने में असमर्थ है। सरकार को जो शिकायतें मिली हैं, उनमें स्कूल के साथ घर पर भी तनाव और कुंठा की बातें कही गई हैं। अंततः अध्यापकों के मानसिक सर्वेक्षण का निर्णय लिया गया है। राज्य की शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सर्वेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। शिकायतें ऐसी भी हैं कि अध्यापकों में अनुपस्थित रहने का भाव भी गहराता जा रहा है, जिससे छात्र प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल सरकारी स्कूल अध्यापकों पर अध्यापन का ही दायित्व नहीं है। उनके सामने गैर-शिक्षण कार्यों की चुनौतियां और निरंतर दबाव भी हैं। मसलन, उन्हें चुनावों के दौरान ड्यूटी करनी पड़ती है। बिहार में जो जातीय सर्वेक्षण कराया गया था, उसमें भी अध्यापकों को झोंका गया था। स्कूलों में 'दोपहर का भोजन' एक बहुस्तरीय और नियमित योजना है। बच्चों को भोजन परोसना अनिवार्य है। उसका प्रबंधन भी अध्यापकों को ही देखना पड़ता है। इतने स्तरों पर काम करके औसत अध्यापक अपने बुनियादी कर्तव्य को कैसे निभा सकता है? उसके काम में ईमानदारी कितनी होगी? अध्यापकों पर गुरुत्तर दायित्व है कि वे अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए देश की युवा और छोटी पीढ़ी को कैसे प्रशिक्षित करें और उनका मानसिक पोषण सुनिश्चित करें।

## नीलम भारद्वाज का टी-20 ट्रॉफी के लिए उत्तराखंड टीम में हुआ चयन

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 16 अक्टूबर। उत्तराखंड राज्य में बेटियों को लगातार मिल रही सफलता ये दर्शाती है कि पहाड़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यहां की बेटियां आज हर एक क्षेत्र में सफलता के नए मुकाम छू रही हैं। उत्तराखंड की ऐसी ही एक बेटि नीलम भारद्वाज का चयन बीसीसीआई की सीनियर महिला टी-20 बोर्ड ट्रॉफी के लिए हुआ है। नीलम रामनगर के महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है।

नीलम के सीनियर टीम में चयन होने पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे, प्रो. योगेश चंद्रा, अजय सिंह, डॉ. डीएन जोशी, प्रकाश बिष्ट, रंजीत मटियानी ने शुभकामनाएं दीं हैं। अपनी क्रिकेट की सफर की शुरुआत डीडी छिम्वाल कॉन्वेंट क्रिकेट एकेडमी से करने वाली नीलम को हेमा छिम्वाल, अतुल छिम्वाल, नीरज छिम्वाल, दीपक शर्मा, संजय पंत, नवीन जोशी, अरविंद कडकोटी, फुटबॉल कोच जितेंद्र बिष्ट आदि ने भी बधाई दी है। नीलम की इस उपलब्धि पर रामनगर के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।



महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के लीग मैच नागपुर (महाराष्ट्र) में 19 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। उत्तराखंड को मणिपुर, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, गोवा, केरल से अपने मैच खेलने हैं। प्रतियोगिता की तैयारी के लिए नीलम अभी टीम के साथ हाइलैंड स्पोर्ट्स एकेडमी काशीपुर के

प्रशिक्षण कैंप में हिस्सा ले रही हैं। नीलम भारद्वाज उत्तराखंड की प्रतिभाशाली क्रिकेटर है। वे इस से पहले भी सीनियर और अंडर-19 में बोर्ड ट्रॉफी खेल चुकी हैं। मालूम हो कि नीलम भारद्वाज अंडर-19 में उत्तराखंड के लिए प्रतिभाग कर चुकी हैं। नीलम दाएं हाथ की बल्लेबाज होने के साथ मध्यम तेज गेंदबाज और शानदार फील्डिंग के लिए जानी जाती हैं।

## बिग बॉस में पहुंचे देहरादून के अनुराग डोभाल, Babu Bhaiya के नाम से है पॉपुलर

### न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 17 अक्टूबर : देहरादून के अनुराग डोभाल कलर टीवी पर प्रसारित होने वाले बिग बॉस के 17वें एपिसोड में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के साथ नजर आएंगे। अनुराग बाबू भैया के नाम से जाने जाते हैं। बिग बॉस के 17वें एपिसोड में इस बार उत्तराखंड का युवा बाबू भैया भी दिखाई देगा। बाबू भैया का वास्तविक नाम अनुराग डोभाल है। जो एक मोटो-ब्लॉगर है।

अनुराग डोभाल ने मोटो ब्लॉगिंग के क्षेत्र में अपना करियर वर्ष 2018 में प्रारंभ किया था। अनुराग डोभाल के यूट्यूब चैनल यूके-07 राइडर में 71 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं, जबकि इंस्टाग्राम में 51 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। उनके पिता जेपी डोभाल ने



बताया कि कलर टीवी पर प्रसारित होने वाले प्रसिद्ध रियलिटी शो बिग बॉस से अनुराग डोभाल को काफी समय पहले ऑफर आया था, जिस पर अनुराग काफी समय से तैयारी कर रहे थे।

अनुराग डोभाल ने बॉलीवुड स्टार अभिनेता सलमान खान के साथ 15 अक्टूबर को बिग बॉस के शो में एंट्री ली है। अनुराग डोभाल ने

अपनी प्रारंभिक शिक्षा नैनबाग टिहरी गढ़वाल, उसके बाद दूधली के स्कूल डीडीएचए व श्री गुरु राम राय स्कूल भनियावाला से प्राप्त की है। डीएवी देहरादून से स्नातक करने के बाद अनुराग डोभाल ने 31 दिसंबर, वर्ष 2017 को अपना मोटो ब्लॉगिंग के क्षेत्र में अपना करिअर केटीएम बाइक से प्रारंभ किया था।

अनुराग डोभाल का निवास डोईवाला के अटूरवाला भानियावाला में है। उनकी माता चंद्रकला डोभाल ग्रहणी हैं और पिता जेपी डोभाल सरकारी स्कूल में गणित विषय के अध्यापक हैं।

उनका छोटा भाई अतुल डोभाल गायक है। अनुराग डोभाल के बिग बॉस में जाने की खबर से उनके प्रशंसक काफी खुश हैं और उनको बिग बॉस में देखने का इंतजार कर रहे हैं।

### दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002, RNI No. : UT-THIN/2012/44094  
Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com  
Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus  
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत



# नियमों के साथ खिलवाड़ करने वालों छोड़ेंगे नहीं : एसएसपी देहरादून



**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 17 अक्टूबर : देहरादून पुलिस द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने तथा अवैध खनन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सघन चेंकिंग अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में सभी थाना क्षेत्रों में लगातार सघन चेंकिंग अभियान चलाते हुए रैश ड्राइविंग, ड्रंक एंड ड्राइव व संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त एसएसपी देहरादून द्वारा

वीकेंड्स पर देहरादून के सिटी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर लोगों द्वारा शराब पीकर हुड़दंग करने तथा संस्थानों द्वारा नियमों का पालन न करने के सम्बन्ध में प्राप्त हो रही शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु राजपुर रोड़ पर घंटाघर से दिलाराम चौक, दिलाराम चौक से मसूरी डाईवर्जन, मसूरी डाईवर्जन से ओल्ड मसूरी रोड़ होते हुये कुठालगेट तथा कुठालगेट से डीआईटी मालसी होते हुये मसूरी डाईवर्जन तक 4 अलग-अलग अतिरिक्त पुलिस टीमों गठित की गयी है, जिनके द्वारा चिन्हित किये गये स्थलों पर निरन्तर भ्रमणशील रहते हुये सार्वजनिक स्थान पर खुले में शराब पीने, हुड़दंग करने तथा नियमों का

■ वीकेंड्स पर हुड़दंग करने, नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों, संस्थानों पर कार्यवाही के लिए गठित की गयी 4 स्पेशल टीमें  
■ एक माह के दौरान रैश ड्राइविंग, ड्रंक एंड ड्राइव में 191 वाहन तथा यातायात नियमों के उल्लंघन में 331 वाहन सीज, 11793 वाहनों के चालान न्यायालय तथा 12315 वाहनों के नगद चालान करते हुए वसूला 44,55,000 रुपए का संयोजन शुल्क

पालन न करने वाले संस्थानों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

विगत एक माह के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा एमवी एक्ट तथा पुलिस एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही की गयी। इस दौरान पुलिस द्वारा एम0वी0 एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 24630 चालान किये गये। जिसमें रैश ड्राइविंग, ड्रंक एंड ड्राइव में 191 वाहन सीज, यातायात नियमों के उल्लंघन में 331 वाहन सीज 11793 चालान न्यायालय तथा 12315 नगद चालान करते हुए 4455000 रुपए संयोजन शुल्क वसूला गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, अवरोध उत्पन्न करने तथा हुड़दंग करने वाले 3275 व्यक्तियों के विरुद्ध 81 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उनसे 1072500 रू0 संयोजन शुल्क वसूला गया। साथ ही संदिग्ध रूप से घूमने वाले व्यक्तियों के नाम/पते तस्दीक करने के दौरान सम्बन्धित मकान मालिक द्वारा उनका सत्यापन न कराने पर 83 पुलिस एक्ट के तहत 178 लोगों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। अवैध खनन तथा ओवर लोडिंग के विरुद्ध कार्यवाही के दौरान



पुलिस द्वारा 62 डम्पर, 7 ट्रक, 04 पिकअप, 18 अवैध खनन में तथा 181 वाहनों को ओवरलोडिंग ट्रेक्टर ट्रालियों तथा 2 जे0सी0बी0 मशीनों को में सीज किया गया।

## एसएसपी अजय सिंह एक्शन मोड में, समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 16 अक्टूबर। एसएसपी देहरादून अजय सिंह इन दिनों एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। रविवार को एसएसपी ने पुलिस कार्यालय देहरादून में जिले राजपत्रित अधिकारियों के साथ अपराध पर अंकुश लगाने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पिछले एक महीने की समीक्षा बैठक की। एक महीने की समयावधि पूरी होने पर कारवाइयों की समीक्षा की। अधिकारियों को अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कड़े निर्देश दिए गए।

**छह मुख्य बिंदुओं पर एसएसपी ने किया फोकस**

एसएसपी अजय सिंह ने छह मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कारवाइ के निर्देश दिए -

1- ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत जिले के सभी थानों द्वारा की गई कारवाइ की सर्किल वार समीक्षा की। अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक कारवाइ करने के निर्देश दिए।

2- गैंगस्टर एक्ट के तहत पंजीकृत अभियोगों की समीक्षा के दौरान अभियुक्तों द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्ति के चिन्हीकरण व उसके जन्तीकरण की कारवाइ और अधिक प्रभावी

तरीके से शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए गये।

3- मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आदतन नशा तस्करों के विरुद्ध पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत ऐसे सभी अभियोगों को, जिनमें पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कारवाइ की जा सकती है, उन्हें चिन्हित करते हुए उसकी रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए।

4- सीएम हेल्पलाइन व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा के दौरान उपस्थित अधिकारियों को ऐसे सभी शिकायती प्रार्थना पत्रों को, जो 1 माह से अधिक की अवधि से लंबित हो, आगामी 7 दिन के अंदर निस्तारित करने तथा शिकायती प्रार्थना पत्रों को अनावश्यक लंबित न रखते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

5- यातायात व्यवस्था की समीक्षा के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात को मुख्य मार्गों से यातायात का दबाव कम करने के लिए ऐसे सभी मार्ग, जिसमें नो एंट्री या अन्य डायवर्जन व्यवस्था की जानी हो, को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए



साथ ही आमजन से यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु मांगे गए सुझावों के साथ उन्हें सम्मिलित करने हेतु बताया गया।

6- सभी राजपत्रित अधिकारियों से उनके द्वारा की जा रही विवेचनाओं के संबंध में जानकारी ली गई, साथ उनके द्वारा संपादित की

जा रही विभागीय जांचों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित समयावधि के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

## वन आरक्षी की शारीरिक दक्षता परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी किए

हरिद्वार। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की ओर से वन आरक्षी परीक्षा-2022 के तहत अभ्यर्थियों को शारीरिक अर्हता परीक्षण, शारीरिक दक्षता परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा के लिए योग्य पाए गए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इस परीक्षा में कुल 1878 अभ्यर्थी शामिल होंगे। आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया कि वन आरक्षी परीक्षा के अंतर्गत अभ्यर्थियों की शारीरिक अर्हता एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा 31 अक्टूबर से तीन नवंबर के बीच आयोजित की जाएगी। इसमें कुल 1878 अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर, देहरादून में आयोजित कराई जाएगी। परीक्षा के लिए योग्य पाए गए अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र और परीक्षा कार्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। किसी अन्य माध्यम से अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे।

## पुलिस ने रात में घायलों का किया रेस्क्यू

पौड़ी। पाबौ-पैठाणी रोड़ पर संतुधार के पास एक एंबुलेंस वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने वाहन में सवार तीन घायलों को सकुशल रेस्क्यू करते हुए उनका उपचार करवाया। अपर उपनिरीक्षक सोहनलाल ने बताया कि थाने में सूचना मिली कि संतुधार के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स राहत एवं बचाव उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे व सडक पर पलटे एंबुलेंस से तीनों घायलों का सकुशल रेस्क्यू किया।

## नेपाल इंटरनेशनल दौड़ प्रतियोगिता में हरिद्वार के बेटे ने जीता गोल्ड

हरिद्वार। इंडो-नेपाल यूथ गेम इंटरनेशनल चैंपियनशिप में 1500 मीटर की दौड़ 4.47 मिनट में पूरी कर हरिद्वार जिले के गांव चांदपुर निवासी अंकुर सैनी ने गोल्ड मेडल हासिल किया। अंकुर के पिता अनिल कुमार चांदपुर के ग्राम प्रधान हैं। मेडल जीतने के बाद घर पहुंचने पर अंकुर का ग्रामीणों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। पथरी के गांव चांदपुर निवासी युवक का नेपाल में हुई दौड़ प्रतियोगिता में चयन हुआ था। प्रतियोगिता में कई स्कूलों से छात्रों ने भी भाग लिया। अंकुर ने 1500 मीटर की दौड़ को 4.47 मिनट में पूरा कर प्रथम स्थान हासिल किया। सोमवार को घर पहुंचने पर ग्रामीणों ने उसका भव्य स्वागत किया। अंकुर के पिता अनिल सैनी किसान हैं और वह इस बार ग्राम प्रधान बने हैं। पिता ने बताया कि बेटा खेलकूद में ज्यादा रुचि रखता है। लेकिन खेल के लिए मूलभूत सुविधाओं की कमी है। पथरी क्षेत्र में खेल मैदान की मांग की गई। इस दौरान बबलू सैनी, नकली राम सैनी, दीपक, सुनील, राम कुमार, दिलशाद, अब्दुल सलाम, साकिब, सुभम सैनी, सुनील सैनी शामिल रहे।